वार्षिक विवरणिका : 2018–2019

मंच पर विराजमान मुख्य अतिथि माननीय प्रो. पुरुषोत्तम अग्रवाल एवं स्टाफ काउंसिल सचिव श्री कान्हाराम मीना और मंच के सम्मुख बैठे सहयोगी शिक्षण–गण, कर्मठ–कुशल कर्मचारी बंधुओं, प्रिय छात्र एवं छात्राओं। मैं इस वार्षिकोत्सव के अवसर पर आपका हार्दिक अभिनंदन करती हूँ।

मोतीलाल नेहरू कॉलेज सांध्य प्रारंभ में 'Government Degree College' के नाम से 1965 ई. में स्थापित किया गया था। 1967 ई. में इस कॉलेज का नाम बदलकर 'हस्तिनापुर कॉलेज' रखा गया। 1977 ई. में महान विभूति प्रख्यात कानूनविद् एवं स्वतंत्रता सेनानी पंडित मोतीलाल नेहरू के नाम पर इस कॉलेज का नाम मोतीलाल कॉलेज रखा गया। 1996 ई. में इस कॉलेज को सांध्य कॉलेज का स्वतंत्र दर्जा मिला।

इस कॉलेज के संस्थापक प्राचार्य विख्यात शिक्षाविद् डॉ. आर.के. भान थे। बाद के वर्षों में डॉ. शंकरदेव शर्मा 'अवतरे', डॉ. सुरेशचंद शर्मा, डॉ. वी. के. शर्मा, डॉ. एस. के. शर्मा जैसे प्रशासनिक दक्षता वाले व्यक्तियों ने कॉलेज के प्राचार्य पद का दायित्त्व संभाला।

आज के वार्षिकोत्सव के अवसर पर हमारे मुख्य अतिथि ऐसे व्यक्ति हैं, जिनके लिए औपचारिक परिचय की आवश्यकता नहीं है। फिर भी मैं इस औपचारिकता को निभाने में गौरव का अनुभव करूँगी।

आज के मुख्य अतिथि हिन्दी जगत के प्रसिद्ध आलोचक, चिंतक, कथाकार और प्रतिभाशाली प्रोफेसर; पुरुषोत्तम अग्रवाल हैं। आप जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के भारतीय भाषा केन्द्र में प्रोफेसर और अध्यक्ष रहे हैं। 2 जुलाई 2007 को भारत सरकार ने आपको संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) का सदस्य मनोनीत किया। आप NCERT के हिंदी पाठ्यक्रम निर्माण समिति के प्रमुख सलाहकार भी रहें हैं। आप वर्त्तमान में Centre for the Studies of Developing Societies (CSDS) New Delhi के Visiting Professor हैं। आप El Colegio De Mexico, Mexico एवं Faculty of Oriental Studies, University of Cambridge के Visiting Professor रहे हैं।

माननीय प्रो. पुरूषोत्तम अग्रवाल के अध्ययन और अध्यापन दोनों क्षेत्रों में जेएनयू की महत्त्वपूर्ण भूमिका है। आपने एम. ए., एमफिल. और पीएच.डी. जेएनयू से की। आपने हिंदी के प्रसिद्ध आलोचक प्रो. नामवर सिंह के निर्देशन में "कबीर की भक्ति का सामाजिक अर्थ" विषय पर पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की।

आपने अध्यापन की शुरूआत दिल्ली विश्वविद्यालय के Ramjas College से किया। उसके बाद आप जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के भारतीय भाषा केन्द्र से जुड़े और प्रोफेसर बने। आपके शोध निर्देशन में 42 विद्यार्थियों ने एम.फिल. की उपाधि प्राप्त की तथा 27 विद्यार्थियों ने पीएच.डी की उपाधि प्राप्त की। शोध के क्षेत्र में आपका कार्य सहराहनीय है। आपकी कई पुस्तकें प्रकाशित है, जो राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमों में शामिल हैं। आपकी उल्लेखनीय पुस्तकें हैं – (1) संस्कृति, वर्चस्व और प्रतिरोध (2) तीसरा रूख (3) विचार का अनंत (4) निज ब्ह्म विचार (5) कबीर : साखी और सबद (6) मजबूती का नाम महात्मा गाँधी (7) 'अकथ कहानी प्रेम की : कबीर की कविता और उनका समय' आदि। आपके शोध पत्र हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में विश्व की पत्र–पत्रिकाओं में प्रकाशित हैं। आपके 18 शोध पत्र अंग्रेजी में प्रकाशित हैं और 15 शोधपत्र हिंदी में। आपने 25 से अधिक संगोष्ठियों और सम्मेलनों में शोधपत्र प्रस्तुत किए हैं। आपके साहित्यिक, सामाजिक, राजनीतिक तथा सांस्कृतिक विचार समाचारपत्र तथा पत्रिकाओं में छपते रहे हैं। आप दृश्य–श्रव्य माध्यम में भी एक बुद्धिजीवी और लोकप्रिय विचारक के रूप में जाने पहचाने जाते रहे हैं। आप टी.वी. पर समसामायिक मुद्दों से संबंधित विषयों पर अपना विचार प्रस्तुत करते रहे हैं।

आपने आलोचक छवि से अलग सृजनात्मक लेखन के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण कार्य किया है। आपकी प्रसिद्ध पुस्तक "हिंदी सराय : अस्त्राखान बाया येरेवान" यात्रा–वृतांत है। इसके अलावा आपने कुछ कहानियाँ भी लिखीं है, जो अलग–अलग पत्रिकाओं में प्रकाशित हुई है। आपने 'हिन्दी नई चाल में ढली' पुस्तक का संपादन किया है एवं वर्तमान में राजकमल प्रकाशन की भक्ति श्रृखला के संपादक भी हैं।

आपने अकादमिक यात्रा के दौरान वर्ष 2004 में अमरीका की Columbia University, New York, Emory University, Atlanta; Rice University, Houston में विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिए। आपने अमरीकन अकेडमी ऑफ रिलिजन के निमंत्रण पर Atlanta में " Finding an Alternative to Religion itself: The Dialectics of agony in Kabir's Sadhna " विषय पर International Association of Historians of Religion की वार्षिक सभा में व्याख्यान दिया। आपने हाइडलबर्ग, फ्रेंकफर्ट, बैंकॉक, लंदन, पेरिस, कालम्बो, येरेवान, अस्त्राखान की अकादमिक यात्राएँ की और व्याख्यान दिया।

आप दिल्ली विश्वविद्यालय के कई कॉलेजों के Governing Body के सदस्य रहे हैं। आप कई अन्य Advisory Committee के सदस्य भी रहे हैं।

जैसा कि हम सभी जानते हैं कि आलोचना के क्षेत्र में आपका अतुलनीय योगदान है, इस योगदान के लिए आपको अनेकों पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। 2008 में आपको 'अकथ कहानी प्रेम की : कबीर की कविता और उनका समय' के लिए बहुचर्चित पुस्तक का 'प्रथम राजकमल प्रकाशन कृति सम्मान' से सम्मानित किया गया। 2002 में आपको University of Cambridge की 'British Academy Fellowship' से सम्मानित किया गया। 1997 में 'संस्कृति : वर्चस्व और प्रतिरोध' के लिए आपको 'मुक्तधर पाँडे सम्मान' से सम्मानित किया गया। 1996 में आपको 'तीसरा रूख' के लिए 'देवीशंकर अवस्थी सम्मान' से सम्मानित किया गया।

पुस्तकालय

हमारे कॉलेज का पुस्तकालय बहुत समृद्ध होने के साथ–साथ पूर्णतः वातानुकूलित है। इसमें 75541 पुस्तकों का अनूठा संग्रह है। इस शैक्षणिक वर्ष में 1241 नई पुस्तकें खरीदी गई। पुस्तकालय में सभी प्रमुख राष्ट्रीय समाचार पत्र–पत्रिकाएँ आती हैं। पुस्तकालय ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा संचालित Information and Library Network Center (INFLIBNET) एवं National Library and Information Services (N-List) का नवीनीकरण कराया। इस लिस्ट में 6 हजार से अधिक ई.–जर्नल्स तथा एक करोड़ से अधिक ई.–बुक्स उपलब्ध है। N-List देखने के लिए प्राध्यापकों और विद्यार्थियों को यूजर आई. डी. उपलब्ध कर दी गई है। हमारा इलेक्ट्रॉनिक रिसोर्स सेंटर भी पूर्णतः वातानुकूलित है और अत्याधुनिक कम्प्यूटर सिस्टम एवं सॉफ्टवेयर से सुसज्जित है। पुस्तकालय की लगभग सभी किताबों की बार–कोडिंग कर दी गई है। जिससे छात्र कम्प्यूटर के माध्यम से आसानी से किताबें ढूंढ लेते हैं। रिसोर्स सेंटर में विद्यार्थियों और प्राध्यापकों के लिए अलग– अलग अध्ययन कक्ष की व्यवस्था है। पुस्तकालय का संचालन कार्यवाहक लाइब्रेरियन श्री राधेश्याम जोशी की देखरेख में एक पुस्तकालय समिति के परामर्श द्वारा होता है। डॉ. विद्याशंकर सिंह (हिन्दी विभाग) पुस्तकालय परामर्श समिति के संयोजक हैं। उनका परामर्श और सुझाव पुस्तकालय को समय–समय पर मिलता रहता है। पुस्तकालय का कार्य सुचारु रूप से चल रहा है जिसके लिए डॉ. विद्याशंकर सिंह धन्यवाद के पात्र हैं।

मैं यह सूचित करना चाहती हूँ कि पर्याप्त स्टाफ न होने पर भी पुस्तकालय की सेवाएँ एक दिन के लिए भी बाधित नहीं हुई।

<u>प्रशासनिक</u>

यह बताते हुए मुझे गर्व की अनुभूति हो रही है कि सांध्य कॉलेज होने के बावजूद हमारी सभी कक्षाएँ सुचारु रूप से नियमित लग रही हैं। हमारे सारे शिक्षक कर्मठ एवं दायित्त्वशील हैं। कार्यवाहक प्राचार्य के तौर पर अपने कार्यकाल के दौरान मैंने कॉलेज में अकादमिक–सांस्कृतिक वातावरण को बेहतर से बेहतर बनाने की कोशिश की है। प्रशासनिक वातावरण भी बेहतर हुआ है। प्राचार्य, कर्मचारियों और छात्रों के बीच तालमेल बेहतर होने की वजह से कॉलेज का अनुशासन भी बेहतर हुआ है। हमारे विद्यार्थियों ने अकादमिक, सांस्कृतिक, खेल–कूद एवं अन्य गतिविधियों में इन्टर–कॉलेज, विश्वविद्यालय एवं राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पुरस्कार प्राप्त किए हैं।

हमारे लिए सुखद संयोग है कि पिछले कई वर्षों से निरंतर विद्यार्थियों की संख्या में वृद्धि हुई है। ऐसी स्थिति में प्रशासनिक कार्य को सुचारु रूप से चलाने में स्टाफ की कमी के चलते एक बड़ी समस्या का सामना करना पड़ता है। बावजूद इसके हमें अपने सभी कर्मचारियों की कार्य–कुशलता पर गर्व है, जिन्होंने इस समस्या का सामना कुशलतापूर्वक किया है। इसके लिए मैं अपने प्रशासनिक अधिकारियों श्री राजेश हान्डू एवं श्री श्रवण कुमार का आभार प्रकट करती हूँ। सेक्शन ऑफिसर (Accounts) एवं कार्यवाहक सेक्सन ऑफिसर (Administration) श्री गुलशन कुमार का आभार प्रकट करती हूँ। मैं अपने उन सभी कर्मचारियों के प्रति विशेष आभार व्यक्त करती हूँ, जिनके विशेष योगदान से कॉलेज का कार्य सुचारु रूप से चल रहा है।

<u>प्राध्यापक</u>

यह कॉलेज का सौभाग्य है कि यहाँ विशिष्ट योग्यताओं से युक्त प्राध्यापक हैं। इस कॉलेज के अनेक प्राध्यापक शोध–निर्देशक भी हैं। कॉलेज में कुछ 76 प्राध्यापक हैं, जिनमें 36 प्राध्यापक स्थाई एवं 40 प्राध्यापक तदर्थ के रूप में कार्यरत हैं। स्थाई प्राध्यापकों में से 2 प्राध्यापक शोध कार्य के लिए छुट्टी पर है और एक प्राध्यापक Sabbatical level पर है। प्राध्यापकों के लेख प्रतिष्ठित पत्र–पत्रिकाओं में प्रायः छपते रहते हैं।

अंग्रेजी विभाग

डॉ. प्रदीप शरण (एसोसिएट प्रोफेसर)

'International Journal of Communication' शीर्षक से संपादित शोध–पत्रिका, बहरी पब्लिकेशन, नई दिल्ली से 2018 में प्रकाशित हुई। ISSN:0975-640X

देवाशीष पराशर (असिस्टेंट प्रोफेसर)

इनकी कविताएँ विश्व की कई भाषाओं में अनूदित होकर कई पत्रिकाओं और पुस्तकों में प्रकाशित हुई हैं।

यूनेस्को की ओर से बोलिबिया में आयोजित होने वाला 12th अन्तर्राष्ट्रीय लेखक सम्मेलन में भारत की ओर से इन्हें आमन्त्रित किया गया है।

सप्तऋषि चौधरी (असिस्टेंट प्रोफेसर)

पेरसि, फ्रांस में आयोजित शोध सम्मेलन में "Provincializing Dalit Assertion: Refashioning of Dalit Student Politics by Ambedkarwadi Chatra Sabha." विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

हिन्दी विभाग

डॉ. विद्याशंकर सिंह (एसोसिएट प्रोफेसर)

दिनांक 12–13 दिसम्बर 2018 को केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान सारनाथ वाराणसी की ओर से आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के अवसर पर ''आधुनिक हिंदी कविता और बौद्ध धर्म'' विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

दिनांक 14–15 दिसम्बर 2018 को हिन्दू गर्ल्स कॉलेज (कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय) एवं ''शेक्सपियर एसोसिएशन इंडिया'' के संयुक्त तत्त्वाधान में आयोजित अन्तर्राट्रीय संगोष्ठी के अवसर पर ''आधुनिक हिंदी कविता और राष्ट्रीय आन्दोलन'' विषय पर आपने शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. पुष्पा मीना (असिस्टेंट प्रोफेसर)

पुष्पा मीना ने 19 नवम्बर 2018 के हिन्दी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय से पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की।

गणित विभाग

योगेंद्र कुमार सागर

योगेंद्र कुमार सागर ने 4 दिसम्बर 2018 का सनराईज विश्वविद्यालय, राजस्थान से पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है।

राजनीति–विज्ञान विभाग

डॉ. जी.एन. त्रिवेदी

साउथ कैम्पस, दिल्ली विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "Indian Democracy: Contested Terrain of the Political" विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

"Modern Political Thought: Contested Terrain of the Political" शीर्षक से संपादित पुस्तक बुक एज द्वारा 2018 में प्रकाशित हुई।

डॉ. राधानाथ त्रिपाठी

"Human Rights, Gender and Environment" शीर्षक से संपादित पुस्तक स्कॉलर टेक द्वारा 2019 में प्रकाशित हुई।

अर्थशास्त्र विभाग

डॉ. अंजलि अग्रवाल

इन्होंने यूजीसी प्रायोजित CPDHE द्वारा आयोजित रिफ्रेशर कोर्स में हिस्सा लिया।

वाणिज्य विभाग

रजनीश क्लेर (असिस्टेंट प्रोफेसर)

इन्होंने UAE University, Asian Universities एवं Sage Publications द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "Indian Stock Market Sustainability : Role of Domestic and Foreign Institutional Investor" विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया। इनका ये शोध–पत्र श्रेष्ठ शोध–पत्र से सम्मानित किया गया।

इन्होंने Sixth Northern Region Social Science Congress of ICSSR Udaipur, Pan IIT International Management, Conference IIT Roorkee एवं Jai Narayan Vyas University, Jodhpur, Rajasthan में भी अलग–अलग शोध पत्र प्रस्तुत किए।

अकादमिक और सांस्कृतिक गतिविधियाँ

अर्थशास्त्र विभाग

13 नवम्बर 2018 को "Privatisation of Education System" विषय पर वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया।

11 अप्रैल 2019 को अपना वार्षिकोत्सव (Festonomics) मनाया।

अंग्रेजी विभाग

28 मार्च 2019 में वार्षिक समारोह का आयोजन किया। "Gender: Props, Practices and Performances" थीम पर आयोजित इस समारोह में रचनात्मक लेखन, कविता पाठ, वाद–विवाद आदि कई कार्यक्रम शामिल थे।

अंग्रेजी विभाग के छात्र शिवांश शुक्ला ने सेंटस्टीफन कॉलेज में आयोजित Logos 2019 में शोध–पत्र प्रस्तुत किया। दिवांश भट्ट को उनके शोध–पत्र के लिए मिरांडा हाउस कॉलेज में तृतीय पुरस्कार मिला। महिमा श्रीवास्तव को Greek Mythology Quiz (आर्यभट्ट कॉलेज) में, सुप्रिया साहु को वाद–विवाद प्रतियोगिता अपने कॉलेज में एवं दिवांश भट्ट को रचनात्मक प्रतियोगिता (आर्यभट्ट कॉलेज) में पुरस्कार प्राप्त हुआ।

हिंदी विभाग

हिन्दी साहित्य परिषद् की ओर से दिनांक 16 जनवरी 2019 को 'आज के समय में कबीर' विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रो. अनिल राय (हिन्दी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय) ने अपना सारगर्भित व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि कबीर का साहित्य – समता, समानता, धर्मनिरपेक्षता का सजग प्रहरी है।

इतिहास विभाग

8 अप्रैल 2019 को 'गाँधी, नेहरू और बोस : एक ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य' विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। इस अवसर पर डॉ. अनिरुद्ध देशपांडे (इतिहास–विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय) ने सारगर्भित व्याख्यान दिया। उन्होंने गाँधी, नेहरू और बोस के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य को स्पष्ट करते हुए राजनीतिक मतभेदों पर भी प्रकाश डाला है।

वाणिज्य विभाग

22 जनवरी को फेस्ट Astir का आयोजन किया गया, जिसमें अकादमिक तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।

दो दिवसीय वार्षिक वाणिज्य फेस्ट **Entelechy** का आयोजन 7–8 मार्च 2019 को किया गया, जिसमें श्री विजय सिंह को चालीस साल के लम्बे अनुभव एवं कर्त्तव्य निष्ठा के लिए छात्र–छात्राओं ने सम्मानित किया।

17 जनवरी 2019 को Global Education की सहायता से विदेशी शिक्षा के बारे में जागरूकता लाने के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

सिक्योरिटी मार्किट एवं SENSEX के बारे में जागरूकता लाने के लिए Bombay Stock Exchange की सहायता से 5 फरवरी 2019 को एक वक्तव्य का आयोजन किया गया।

<u>राजनीति–विज्ञान विभाग</u>

राजनीति विज्ञान विभाग ने 21 जनवरी 2019 को "Recognition, Appropriation and Exclusion : Trajectories of Political prisonerhood in India" विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया। इस अवसर पर प्रो. उज्ज्वल सिंह (राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय) ने सारगर्भित व्याख्यान दिया।

11 फरवरी 2019 को राजनीति–विज्ञान विभाग ने तृतीय वर्षीय विद्यार्थियों के लिए शैक्षिक यात्रा का आयोजन किया। यह यात्रा भारतीय संसद की थी।

<u>पर्यावरण विभाग</u>

पर्यावरण विभाग ने 18 अप्रैल 2019 को ''सामाजिक दृष्टिकोण से हमारा पर्यावरण'' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया। इस अवसर पर डॉ. मयंक कुमार (सत्यवती कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय) ने सारगर्भित व्याख्यान दिया।

<u>जेंडर चैम्पियंस सोसाइटी</u>

डॉ. ज्योति जाखड़ दहिया के निर्देशन में जेंडर चैम्पियंस सोसाइटी ने 'ट्रांस लेंस : द रोड अहेड' फोटोग्राफी प्रतियोगिता 30 अक्टूबर 2018 को आयोजित की गई।

<u>जेंडर सेन्सेटाईजेशन कमिटी</u>

जेंडर सेन्सेटाईजेशन कमिटी के संयोजक डॉ. अंजलि अग्रवाल ने 9 अप्रैल 2019 को 'जेंडर एम्पावरमेंट : मनी मैटर्स' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया। इस अवसर पर श्रीमती नैयना सहस्रबुद्दे ने अपना सारगर्भित व्याख्यान दिया। उन्होंने महिलाओं के वित्तीय सशक्तिकरण की बात की। साथ ही आध्यात्मिक सशक्तिकरण पर भी व्याख्यान हुआ।

<u>NSS</u>

NSS के संयोजक डॉ. प्रह्लाद बैरवा हैं। NSS के तहत 14 अलग–अलग कार्यक्रम का आयोजन

किया गया, जिसके अन्तर्गत सफाई अभियान, पौधारोपण, ध्वजा–रोहण, आपदा के लिए धन इकट्ठा करना, महिला जागरुकता, स्वास्थ्य मेला आदि महत्त्वपूर्ण हैं। साथ ही NSS ने सर्जिकल स्ट्राइक के उपलक्ष्य में पराक्रम पर्व भी मनाया।

राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका के मुद्दो पर कॉलेज में भाषण प्रतियोगिता रखी गई, जिसमें छात्र–छात्राओं ने अति उत्साह से हिस्सा लिया।

<u>वाद–विवाद सोसायटी (अल्फाज)</u>

11 मार्च 2019 को इंटरा–कॉलेज तथा 15 अप्रैल 2019 को इन्टर–कॉलेज वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

<u>नाट्य समिति (अस्तित्व)</u>

अस्तित्व ने कई कॉलेजों तथा संस्थाओं के कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। जिसमें से अस्तित्व ने बी.एम.एल मुन्जल और कालिदी कॉलेज में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

अस्तित्व ने वार्षिक नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता भूमिका का आयोजन 04 अप्रैल 2019 को किया। इसमें कई कॉलेजों ने हिस्सा लिया।

<u>म्यूजिक सोसायटी (फ्यूजन)</u>

फ्यूजन ने 11 अप्रैल 2019 को 'रासिक' संगीतमयी शाम का आयोजन किया। इस आयोजन में कई कॉलेजों के छात्र–छात्राओं ने हिस्सा लिया। फ्यूजन से जुड़े छात्र–छात्राओं ने दूसरे कई कॉलेजों में भी हिस्सा लिया।

<u>आर्ट और लिटररी सोसायटी (IRIS)</u>

दीवान–ए–आम इन्टर–कॉलेज कार्यक्रम में 100 से भी अधिक छात्र–छात्राओं ने भाग लिया। 12–13 मार्च 2019 में इनका वार्षिक सांस्कृतिक समारोह आयोजित हुआ।

<u>नॉर्थ–ईस्ट सोसायटी</u>

नॉर्थ–ईस्ट सोसायटी ने कॉलेजों के बारह कई कार्यक्रमों में हिस्सा लिया–

1. जाकिर हुसैन कॉलेज में आयोजित वार्षिक पूर्वोत्तर फेस्ट 'Kaleidoscope' में सांस्कृतिक नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।
2. किरोड़ीमल कॉलेज में आयोजित वॉलीबॉल प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

3. ARSD कॉलेज में पूर्वोत्तर समारोह के चित्रांकन प्रतियोगिता में निकोलरस पूइम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

4. NESSDU खेल समारोह में पुरुष वर्ग के रिले दौड़ में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

SC/ST Cell

15 अप्रैल 2019 को डॉ. भीमराव अम्बेडकर का जन्म–दिवस मनाया गया।

फिल्म और फोटोग्राफी सोसाइटी (चित्रग्राही)

चित्रग्राही ने 28 जनवरी 2019 को अपना वार्षिक उत्सव "Photo Fiesta 2019" का आयोजन किया। बी.ए. प्रोग्राम तृतीय वर्ष के छात्र सागर ने श्री वेंकटेश्वर कॉलेज और S.G.T.B. खालसा कॉलेज में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

डांस सोसएटी (ग्रैविटी)

ग्रैविटी ने 26 फरवरी 2019 को डांस प्रतियोगिता का आयोजन किया।

कॉलेज की अन्य गतिविधियाँ –

29 अक्टूबर 2018 से 03 नवम्बर 2018 के बीच Vigilance Awareness सप्ताह मनाया गया। इसके अंतर्गत Debate Competition एवम् Oath Taking Ceremony का आयोजन किया गया।

कॉलेज में माननीय प्रधानमंत्री के ''परीक्षा पर चर्चा 2.0' की विडियो छात्र–छात्राओं को दिखाई गई।

महाविद्यालय ने Leo Club के साथ मिलकर कॉलेज परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया।

कॉलेज पत्रिका

'अस्मिता' कॉलेज की पत्रिका, जो नियमित रूप से प्रतिवर्ष प्रकाशित होती है। इसमें पूरे वर्ष की कॉलेज में होने वाली विभिन्न गतिविधियों का सचित्र विवरण तो होता ही है, साथ ही यह पत्रिका छात्र–छात्राओं को उनकी रचनात्मक प्रतिभा की अभिव्यक्ति के लिए भी एक मंच प्रदान करती है। 'अस्मिता' में कॉलेज के प्राध्यापकों–कर्मचारियों की रचनाएँ भी छपती है। इस पत्रिका के संपादक मंडल के सदस्य हैं–

प्रधान संपादक	:	श्री कान्हा राम मीणा (हिन्दी विभाग)
सदस्य, संपादक मंडल	:	डॉ. बृजकिशोर (हिन्दी विभाग)
सदस्य, संपादक मंडल	:	डॉ. प्रदीप शरण (अंग्रेजी)

स्टॉफ काउंसिल

श्री कान्हा राम मीना स्टॉफ काउंसिल के सचिव हैं। काउंसिल में शैक्षणिक स्तर पर अनुशासन को बेहतर बनाने जैसे महत्त्वपूर्ण विषयों पर विशेष रूप से विचार–विमर्श होता है तथा पारित प्रस्तावों और सुझावों को कार्यान्वित किया जाता है। श्री कान्हा राम मीना ने इस सत्र में मुझे जो सहयोग दिया है, उसके लिए मैं उन्हें हार्दिक धन्यवाद देती हूँ।

स्टाफ एसोसिएशन

कॉलेज में प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों में कल्याणकारी कार्यों के लिए एसोसिएशन और यूनियन आदि का गठन भी प्रति वर्ष की भांति हुआ है।

अध्यक्ष – डॉ. प्रह्लाद कुमार बैरवा
उपाध्यक्ष – श्री कान्हा राम मीना
सचिव – श्री प्रेम कुमार
संयुक्त सचिव – श्री अंजलि अग्रवाल
कोषाध्यक्ष – डॉ. पिन्टू कुमार

कर्मचारी एसोसिएशन

अध्यक्ष – श्री राजीव दत्ता
उपाध्यक्ष – श्री बाबू राम
सचिव – श्री दलजीत सिंह
कोषाध्यक्ष – श्री रवि तिवारी

छात्र–संघ

आज का छात्र जहाँ अपने अधिकारों की मांग करता है, वहीं वह अपने कर्त्तव्यों के प्रति पूर्ण रूप से सजग भी है। छात्र–संघ के पदाधिकारियों ने छात्रों की समस्याओं के समाधान में निरन्तर अपनी तत्परता दिखाई है। इसके लिए मैं छात्र–संघ के पदाधिकारियों को बधाई देती हूँ। छात्र–संघ के सलाहकार समिति के प्रति मैं हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित करती हूँ, जिन्होंने प्रशासन और छात्र संघ के बीच सेतू का कार्य किया और समस्याओं के निराकरण में मेरी निरंतर सहायता की।

वर्तमान छात्र–संघ के पदाधिकारी हैं–

अध्यक्ष : वाचस्पति मणि त्रिपाठी
उपाध्यक्ष : दर्शन
सचिव : श्रेयान्श सिंह रघुवंशी
संयुक्त सचिव : कमल कान्त
सेंट्रल काउंसलर : अभिनन्दन राम और अभिषेक पाठक

छात्र संघ (2018–19) की ओर से दिनांक 11 अक्टूबर, 2018 को नव–आगंतुक छात्र–छात्राओं के लिए Fresher's party का आयोजन किया गया। छात्र–संघ के तत्त्वावधान में दिनांक 26–27 फरवरी, 2018 को हमारे कॉलेज में सांस्कृतिक उत्सव का सफल आयोजन हुआ। इस अवसर पर कॉलेज के छात्र–छात्राओं द्वारा भव्य रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। इस कार्यक्रम की सबसे बड़ी सफलता यह थी कि इसकी सभी प्रस्तुतियाँ और प्रबंधन विद्यार्थियों तथा छात्र संघ के पदाधिकारियों के सामूहिक प्रयत्न का प्रतिफल था। छात्र संघ के परामर्शदाता समिति के साथ ही सांस्कृतिक समिति की निष्ठा और परिश्रम से वह सांस्कृतिक कार्यक्रम अत्यंत आकर्षक, प्रभावी और सफल रहा। इस सफलता के लिए मैं समिति के सदस्यों को धन्यवाद करती हूँ।

आपको यह सूचित करते हुए मुझे खुशी हो रही है कि छात्र संघ को इस वर्ष से नया कमरा उपलब्ध कराया गया है।

<u>अध्ययनरत विद्यार्थी एवं परीक्षा परिणाम</u>

हमारे कॉलेज में वर्ष 2018–19 के सत्र में 2334 विद्यार्थी अध्ययनरत है। छात्रों की संख्या 1850 है तथा छात्राओं की संख्या 484 है।

यह हम सभी के लिए प्रसन्नता का विषय है कि हमारा शैक्षिक स्तर दिनों–दिन श्रेष्ठ से श्रेष्ठतर हुआ है। इसका उल्लेख करते हुए मुझे सुखद अनुभूति हो रही है। हमारा परीक्षा परिणाम बहुत अच्छा रहा है। मैं परीक्षा परिणाम का क्रमशः उल्लेख कर रही हूँ–

बी.ए. प्रोग्राम प्रथम वर्ष	– 89 प्रतिशत
बी.ए. प्रोग्राम द्वितीय वर्ष	– 97 प्रतिशत
बी.ए. प्रोग्राम तृतीय वर्ष	– 75 प्रतिशत
बी.कॉम. प्रथम वर्ष	– 97 प्रतिशत
बी.कॉम. द्वितीय वर्ष	– 96 प्रतिशत
बी.कॉम. तृतीय वर्ष	– 82 प्रतिशत
बी.कॉम. ऑनर्स प्रथम वर्ष	– 98 प्रतिशत
बी.कॉम. आनर्स द्वितीय वर्ष	– 100 प्रतिशत
बी.कॉम. आनर्स तृतीय वर्ष	– 89 प्रतिशत
अंग्रेजी ऑनर्स प्रथम वर्ष	– 87 प्रतिशत
अंग्रेजी ऑनर्स द्वितीय वर्ष	– 100 प्रतिशत
अंग्रेजी ऑनर्स तृतीय वर्ष	– 89 प्रतिशत

हिंदी ऑनर्स प्रथम वर्ष – 96 प्रतिशत
हिंदी ऑनर्स द्वितीय वर्ष – 97 प्रतिशत
हिंदी ऑनर्स तृतीय वर्ष – 84 प्रतिशत

इतिहास ऑनर्स प्रथम वर्ष – 98 प्रतिशत
इतिहास ऑनर्स द्वितीय वर्ष – 93 प्रतिशत
इतिहास ऑनर्स तृतीय वर्ष – 91 प्रतिशत

राजनीति विज्ञान ऑनर्स प्रथम वर्ष – 95 प्रतिशत
राजनीति विज्ञान ऑनर्स द्वितीय वर्ष – 96 प्रतिशत
राजनीति विज्ञान ऑनर्स तृतीय वर्ष – 90 प्रतिशत

खेलकूद

हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी खेल जगत में हमारे कॉलेज की उपलब्धियाँ विशिष्ट रही है।

फुटबॉल

1. रिलायंस फाउंडेशन द्वारा आयोजित यूथ स्पोर्ट्स कॉलेज फूटबॉल प्रतियोगिता में हमारा कॉलेज प्रथम स्थान पर रहा। इस प्रतियोगिता में 128 कॉलेजों ने हिस्सा लिया।

2. जाकिर हुसैन कॉलेज द्वारा आयोजित जाकिर हुसैन मैमोरियल फुटबॉल प्रतियोगिता में हमारा कॉलेज प्रथम रहा। यह प्रतियोगिता अम्बेडकर स्टेडियम में खेला गया था।

3. सुबोध क्लब दिल्ली द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित फुटबॉल प्रतियोगिता में हमारा कॉलेज प्रथम स्थान पर रहा।

4. राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता (संतोष ट्रॉफी) में दिल्ली राज्य की ओर से प्रतिनिधत्व करने वाले हमारे कॉलेज के खिलाड़ी– आशीष यादव हैं।

5. दिल्ली विश्वविद्यालय प्रतियोगिता 2018–19 में हमारा कॉलेज काँस्य पदक प्राप्त किया।

6. हमारे कॉलेज के निम्नलिखित खिलाड़ियों ने दिल्ली विश्वविद्यालय की ओर से ऑल इंड़िया इन्टर–यूनिवर्सिटी नार्थ जोन फुटबॉल प्रतियोगिता में भाग लिया।

- आशीष यादव
- नवीन तक्षक
- अभिषेक श्रीवास्तव
- राजू (गोलकीपर)
- मयंक देशवाल

7. हमारे कॉलेज के फुटबॉल टीम ने Birla Institute of Technology and Science, गोवा द्वारा आयोजित सीप्ती प्रतियोगिता 2018–19 में भाग लिया और उत्कृष्ट खेल का परिचय दिया।

8. हमारे कॉलेज की फुटबॉल टीम के प्रतिभावान खिलाड़ी हैं –

राजू कुमार	बी.ए. प्रोग्राम प्रथम वर्ष
अभिषेक रावत	बी.ए. प्रोग्राम प्रथम वर्ष
आशिष यादव	बी.ए. प्रोग्राम प्रथम वर्ष
राजन	बी.ए. प्रोग्राम प्रथम वर्ष
जशन पुनिया	बी.ए. प्रोग्राम प्रथम वर्ष
रमन सैनी	बी.ए. प्रोग्राम प्रथम वर्ष
मयंक देसवाल	बी.ए. प्रोग्राम प्रथम वर्ष
राहुल महारा	बी.ए. प्रोग्राम प्रथम वर्ष
पवनसिंह राठी	बी.ए. प्रोग्राम प्रथम वर्ष
जीय मेस्सी	बी.ए. प्रोग्राम प्रथम वर्ष
अंकित कुमार	बी.ए. प्रोग्राम द्वितीय वर्ष
परविन्सन एल	बी.ए. प्रोग्राम द्वितीय वर्ष
रोहित	बी.ए. प्रोग्राम द्वितीय वर्ष
मिन लुन	बी.ए. प्रोग्राम द्वितीय वर्ष
यमन	बी.ए. प्रोग्राम द्वितीय वर्ष
राहुल रावत	बी.ए. प्रोग्राम द्वितीय वर्ष
नवीन तक्षक	बी.ए. प्रोग्राम तृतीय वर्ष
अमनसिंह देव	बी. कॉम प्रोग्राम प्रथम वर्ष
मुकेश कुमार	बी. कॉम प्रोग्राम द्वितीय वर्ष
मुकेश कुमार	बी.ए. ऑनर्स तृतीय वर्ष
डैनियल बीरोक सिरोही	अंग्रेजी ऑनर्स तृतीय वर्ष

<u>कबड्डी</u>

2018–19 प्रतियोगिता में हमारे कॉलेज का बहुत बेहतर प्रदर्शन रहा। दिल्ली विश्वविद्यालय कबड्डी प्रतियोगिता में हमारा कॉलेज तीसरे स्थान पर रहा। कबड्डी टीम के सदस्य है–

अभिषेक	बी.ए. प्रोग्राम प्रथम वर्ष
रॉबिन नागर	बी.ए. प्रोग्राम प्रथम वर्ष
लविश बसोया	बी.ए. प्रोग्राम प्रथम वर्ष
सचिन मावी	बी.ए. प्रोग्राम प्रथम वर्ष
नितिन मावी	बी.ए. प्रोग्राम प्रथम वर्ष

बिपिन मावी	बी.ए. प्रोग्राम प्रथम वर्ष
प्रीत पिल्लानिया	बी.ए. प्रोग्राम प्रथम वर्ष
सिद्धार्थ सोरेन	बी.ए. प्रोग्राम द्वितीय वर्ष
मुकुल राठी	बी.ए. प्रोग्राम तृतीय वर्ष
सन्नी	बी.ए. प्रोग्राम तृतीय वर्ष
विशाल शर्मा	बी.ए. प्रोग्राम तृतीय वर्ष
अमन सोरेन	बी.ए. प्रोग्राम तृतीय वर्ष

हमारे कॉलेज के दो छात्र– अभिषेक और रॉबिन नागर ने दिल्ली विश्वविद्यालय की ओर से उत्तर क्षेत्र इन्टर–कॉलेज कबड्डी प्रतियोगिता में भाग लिया।

हॉकी

अनुभव कुमार, बी.ए. प्रोग्राम तृतीय वर्ष के छात्र ने भारतीय सीनियर राष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिता में कॉलेज की ओर से दिल्ली राज्य का प्रतिनिधित्व किया।

जूडो

वैभव अहलावत (बी.ए. प्रोग्राम, द्वितीय वर्ष) ने इन्टर–कॉलेज प्रतियोगिता में काँस्य पदक जीता।

कुश्ती

दिल्ली विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित इन्टर–कॉलेज कुश्ती प्रतियोगिता में हमारे कॉलेज के तीनों पहलवानों रजत पदक जीता –

अमन जून	बी.ए. प्रोग्राम द्वितीय वर्ष
विवेक रावत	बी.ए. प्रोग्राम द्वितीय वर्ष
नवीन सेहरावत	बी.ए. प्रोग्राम द्वितीय वर्ष

वेट लिफ्टिंग

विनय कुमार सिंह ने इन्टर–कॉलेज प्रतियोगिता में काँस्य पदक प्राप्त किया।

ताइकवाण्डो

महेन्द्र कुमार शर्मा ने दिल्ली विश्वविद्यालय ताइकवाण्डो प्रतियोगिता में रजत पदक जीता।

बॉडी बिल्डिंग

ऐबरियन ने इन्टर–कॉलेज बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता में रजत पदक प्राप्त किया।

खेल दिवस

हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी 12–14 मार्च, 2019 तक खेल दिवस का आयोजन किया गया है। खेल दिवस का मुख्य समारोह 14 मार्च 2019 को आयोजित किया गया। इस आयोजन में विद्यार्थियों के द्वारा भव्य मार्च–पास्ट किया गया। प्राचार्य डॉ. विचित्रा द्वारा किया गया ध्वजारोहण विशेष रूप से आकर्षण का केन्द्र बना। खेल के मैदान में मार्च–पास्ट सभी खिलाड़ियों एवं एथलीट्स के विजेता बनने के दृढ संकल्प को चरितार्थ कर रहा था। इस प्रतियोगिता में जहाँ एक ओर बहुत संख्या में विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगिता में हिस्सा लिया, वहीं दूसरी ओर प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों ने भी दौड़, रस्साकस्सी एवं म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिताओं में भाग लेकर दिवस को अविस्मरणीय बनाया।

इस अवसर पर अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित वूशू वर्ल्ड चैम्पियनशिप की अकेली भारतीय स्वर्ण पदक विजेता सुश्री पूजा कादयान मुख्य अतिथि रहीं।

वर्ष 2018–19 का सर्वश्रेष्ठ फुटबॉल खिलाड़ी आशीष यादव (बी.ए. प्रोग्राम प्रथम वर्ष) को घोषित किया गया।

मैं कॉलेज की खेल उपलब्धियों के लिए श्री कान्हाराम मीना (हिंदी विभाग–प्रभावी) और डॉ. मनोज राठी (असिस्टेंट प्रोफेसर, फिजिकल एजूकेशन) को हार्दिक धन्यवाद देती हूँ, जिनके कुशल निर्देशन और अथक परिश्रम से ही हमारे कॉलेज के प्रतियोगी खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय एवं विश्वविद्यालय स्तर पर उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन कर कीर्तिमान स्थापित किए हैं।

प्रस्तुत विवरणिका की परिसमाप्ति से पूर्व मैं अपने सभी सहकर्मी प्राध्यापकों, कर्मचारियों तथा विभिन्न समितियों के संयोजकों एवं सदस्यों के प्रति अपना आभार प्रकट करती हूँ, जिनके सहयोग के बिना यह सब संभव नहीं था। डॉ. प्रदीप शरण, संयोजक (अंग्रेजी विभाग) डॉ. पुष्पा मीना (हिंदी विभाग), श्री देवाशीष पराशर (अंग्रेजी विभाग) सुश्री इष्टा वोहरा (राजनीति विभाग) और डॉ. विपुल कुमार (हिन्दी विभाग) के प्रति विशेष आभार प्रकट करती हूँ, जिन्होंने वार्षिक विवरणिका को प्रस्तुत करने में मेरा सहयोग किया। साथ ही जलपान के संयोजक डॉ. राधानाथ त्रिपाठी, डॉ. प्रदीप शरण, सुश्री इष्टा वोहरा और श्री निशांत शर्मा का विशेष आभार प्रकट करती हूँ।

दिल्ली पुलिस के अधिकारी मेरे विशेष धन्यवाद के पात्र हैं जिन्होंने कानून व्यवस्था बनाए रखने में निरंतर सक्रियता के साथ अपने गहन दायित्त्व का निर्वाह किया।

छात्र–छात्राओं का उल्लेख इस दृष्टि से विशेष महत्त्वपूर्ण है कि उन्होंने अनेक अभावों और कठिनाइयों के होते हुए भी न केवल अध्ययन के क्षेत्र में बल्कि राष्ट्रीय स्तर के खेल–जगत में भी अपना स्थान बनाकर हमें गौरवान्वित किया है।

मैं निष्ठा के साथ कॉलेज–परिसर को Gender-Equal, Eco-friendly, एवं सुरक्षित बनाने का प्रयास कर रही हूँ। प्रशासनिक स्तर पर मैं अनुशासन, कार्यनिर्वाहन क्षमता एवं आपसी तालमेल बेहतर करने की कोशिश कर रही हूँ। आने वाले समय में मैं अकादमिक, सांस्कृतिक, खेल–कूद एवं अन्य गतिविधियों को और बेहतर करने के साथ–साथ विद्यार्थियों के व्यक्तित्व को निखार कर बेहतर इन्सान बनाने के लिए प्रतिबद्ध हूँ।

मैं प्रो. पुरुषोत्तम अग्रवाल के प्रति विशेष रूप से अनुगृहित हूँ, जिन्होंने अपने व्यस्त कार्यक्रम से समय निकालकर हम सबको उपकृत कर इस संस्था को गौरव प्रदान किया। आज के उत्सव की सफलता के लिए मैं अपने सहयोगी प्राध्यापकों, कर्मचारियों तथा छात्र–छात्राओं को बधाई देती हूँ तथा उनके प्रति पुनः धन्यवाद ज्ञापित करती हूँ।

दिनांक : 24 अप्रैल 2019

डॉ. विचित्रा
कार्यवाहक प्राचार्य